

प्राधिकार से प्रकादिन PUBLISHED BY AUTHORITY

सं○ 25

मई बिल्लो, शनिबार, १ स 21, 1982/श्राक्षण 30, 1904

No. 251

NEW DELHI, SATURDAY ____GUST 21, 1982/SRAVANA 30, 1904

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

> भाग II- चण्ड 3-उप-खण्ड (iii) PART II-Section 3-Sub-section (iii)

(संघ राज्य क्षेत्र प्रतासतों को छोड़ कर) कैंग्बोय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए आदेश ग्रीर ग्रधिस्चनाएं

Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाधन आयोग

आवेश

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1982

मा० अरु 105.—निर्वाचन मायोग का समाधान हो गया है कि नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में यथा विनिर्दिष्ट स्रोक नभा/राज्य विधान समा के निर्वाचन के लिए जो स्तम्क (3) में विनिर्विष्ट निर्वाचन-क्षेत्र से हम्रा है, स्तम्भ (4) में उसके भामने विनिर्विष्ट निर्वाचन लड़ने वाला प्रत्येक अध्यर्थी,लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमां द्वारा प्रपेक्षित समय के भीतर ग्रीर रीति में उक्त सारणी के स्त्रथ (5) में यथा उपवर्णित 💌 मे ग्रपने निर्वाचन व्ययो का लेखा वाखिल करने में ग्रमफल रहा है;

धीर उक्त मन्यर्थियों ने सम्यक सुचना विए जाने पर भी उक्त मसफनता के लिए या तो कोई कारण प्रथम स्पष्टीकरण नही दिया है या उनके बारा दिए गए ऋभ्यायेदनों पर, यदि कोई हो, विचार करने के पंच्चात निर्वाचन स्नायोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास उकत ऋसफनना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायी/चत्य नहीं है.

भ्रातः, भव, निर्वाचन श्रायोग उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के धनस्रण में नीचे की सारणी के स्वस्थ (4) में विनिद्ध व्यक्तियों को संसद के किसी भी सदन के याकिसी राज्य को विधान सभा प्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस प्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्श्वित घोषित करता है।

सारस्ति

क० सं०	तिर्वाचन की विशिष्टिया	विद्यान समा/लंक सभा निर्वाचन-क्षेत्र की क० सं० भीर नाम	निर्वाचन लड़ने वाले भ्रभ्यर्थी का नाम व पना	तिरर्ह्,ाका कारण
1	2 .	3	4	5
1 मध्य प्रदेश	ग विधान समा के लिए उपनिविचन, 1981	155-কীটো (গ্ৰু০ জঁ০ জা০)		विश्विद्वारा प्रपेक्षित्र कोई भी निर्वा- चन व्ययो का लेखा दाखिल करने में भसकल।

	2	3		4	5
2∞ लोक सभाके	लिए उप-निर्वाचन, 1981	5-सागर (घ	गोपान तहसी	न, पी०ग्रा० पिपरियागोपाल,	ं विधि द्वारा प्रपेक्षित कोई भी निर्वा- चन व्ययों का लेखा दाखिल करने में प्रसफल।

[सं० 76/म० ४४०/81 (313 एवं 57)]

भादेश से, धर्मवीर, भवर सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDER

New Delhi, the 7th July, 1982

O. N. 103. —Whereas the Election Commission is satisfied that each of the contesting candidates specified in column (4) of the Table below at the election to the House of the People/State Legislative Assembly as specified in column 2 and held from the constituency specified in column (3) against his name has feiled to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner, as she was in column (5) of the said Table as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And, whereas, the said condidates have either not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice—or the Election Commission, after considering the representations made by them, if any, is satisfied that they have no good reasons or justification for the said failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column (4) of the Table below to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

TABLE

Sl. No.	Particulars of election	S. No. & Name of the Assembly/Parliamentary Constituency.	Name of the contesting candidate	Respon for disqualifi- cation.
1	2	3	4	5
	re-election to the Mudhya Pradesh Legisla essembly, 1981.	tive 155—Konta(ST)	Shri Hungarem, Village Gudra, Post—Chhindgerh, Tahsil Konte, District—Bestar.	Failed to lodge any recount of election expenses as required by law.
	ve-election to the House of the People, 19 Andhya Pradesh.	81— 5—Se.ga ₁ (SC)	Shri Pancham Ram 'c.r. Mouiza Piparia, Gopal Post Office, Piparia Gopal, Tahsil—Rahli, District—Sagar.	Frile to ledge in account of election expenses is required by law.

[No. 76/MP/81 (313 & 57)]

By order,

DHARAM VIR, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 धगस्त, 1982

आ । अ । 106.—-लोक प्रतिनिधित्व मिश्रिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 106 के प्रनुसरण में, निर्वाचन प्रायोग 1980 की निर्वाचन मर्जी सं० 8 में इनाहाबाद उच्च न्यायालय के तारीख 12 जुनाई, 1982 का निर्णय एनब्झारा प्रकाणित करता है।

> [सं∘ 82/उ० प्र०/8/80 (इला•)] भादेश से, ग्रों॰ ना० नागर,ग्रकर स्रजिश

New Delhi, the 5th August, 1982

C. N. 106. In pursuance of Section 106 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951) the Flection Commission bereby publishes the Judgment dated the 12th July, 1982 of the High Court of Judicature of Allahabad in Election Petition No. 8 of 1980.

IN THE HIGH COURT OF JUDICATURE AT ALLAHABAD CIVIL SIDE

ORIGINAL JURISDICTION

Duted Allahabad, the July 12, 1982

Present

The Hon'ble K.C. Agarwal..... Judge

Election petition No. 8 of 1980

Ghanshyam Vs. Smt. Indira Kumari & others

By the Court

Shri K.L. Grover, learned counsel for the petitioner, states that he has no instruction to press the petition. No one clse has appeared for the petitioner. The petition is dismissed for default of appearance of the petitioner. In the circumstances, I direct the parties to bear their own costs.

Dated: 12-7-82.

Sd/- K.C.A.

[No.82/UP/8/80(Alld).]

O N. NAGAR, Under Secy.